सबने मिलकर संध्या का जन्म दिन मनाया

नगला भदौरिया धौलपुर जिले में एक छोटा सा गॉव है। इसी गॉव में विशम्भर का परिवार रहता है। विशम्भर के चार बच्चे हैं जिनमें से संध्या सबसे छोटी बेटी है। घर में सबसे छोटी होने के कारण परिवार के सभी लोग संध्या को बहुत प्यार करते हैं। जन्म के समय संध्या बहुत ही गोल मटोल व स्वस्थ थी। संध्या की मॉ विशन देवी का गर्भावस्था के दौरान परिवार ने पूरा ध्यान रखा। संध्या का जन्म सरकारी अस्पताल में हुआ था जन्म के समय उसका वजन सामान्य था। जन्म से बाद भी वह सामान्य बच्चों की तरह ही बढ़ रही थी, लेकिन गरीब परिवार होने के कारण संध्या की माता को भी खेती बाड़ी तथा मजदूरी करने के लिए बाहर जाना पड़ता था। पीछे से संध्या का ध्यान उसके बड़े बहन – भाई रखते थे। संध्या के बड़े बहन – भाई अपनी ओर से संध्या का पूरा ध्यान रखने की कोशिश करते। सारा समय उसे अपनी गोद में लिए घूमते रहते थे। लेकिन संध्या को बहन – भाई के प्यार के साथ – साथ अच्छे पोषण की भी जरूरत थी, जो उसे नहीं मिल पा रहा था जिसके कारण वह धीरे – धीरे कमजोर होने लगी थी।

एक दिन टीकाकरण दिवस पर संध्या की मॉ संध्या को आंगनबाडी केन्द्र पर लेकर आयी जहॉ आशा सहयोगिनी चमेली नें उसकी एमयूएसी टेप के माध्यम से जॉच की। बाद में जब एएनएम बबीता रानी ने संध्या की उप स्वास्थ्य केन्द्र पर जॉच की तो उसमें उसका एम.यू.ए.सी 11.2 से.मी., वजन 5.550 कि.ग्रा. तथा Z स्कोर –3 एस.डी से कम आया। ए.एन.एम ने तुरंत ही संध्या का नामांकन पोषण कार्यक्रम में कर लिया और उसे पोषण अमृत खाने को दिया तथा साफ – सफाई से सम्बंधित आवश्यक सलाह भी दी। पोषण अमृत खाने में बेहद अच्छा होने के कारण संध्या ने बडे चाव से उसे खाना शुरू कर दिया। धीरे – धीरे संध्या की हालत में सुधार होने लगा तथा उसका वजन भी बढ़ने लगा। पहले संध्या बीमार व गुमसुम रहती थी लेकिन अब वह पूरी तरह से ठीक हो गई थी, दो माह बाद उसका वजन 6.665 किग्रा लम्बाई 64 सेमी, एमयूएसी 12.5 सेमी तथा Z-Score –M हो गया था।

दिनांक 8.5.16 को संध्या का पोषण केन्द्र पर जन्मदिन मनाया गया। संध्या को चमकते सितारे के रूप में सम्मानित किया गया। संध्या के माता – पिता कहते हैं कि संध्या का पहली बार इस तरह जन्मदिन मनाया गया है। हमें बहुत खुशी है कि हम जैसे गरीब लोगों के बच्चों का भी सबने मिलकर जन्मदिन मनाया और उसे सम्मान दिया।